सर्वोदय

A DREAM OF MAHATMA

आओ नया भारत बनाएँ

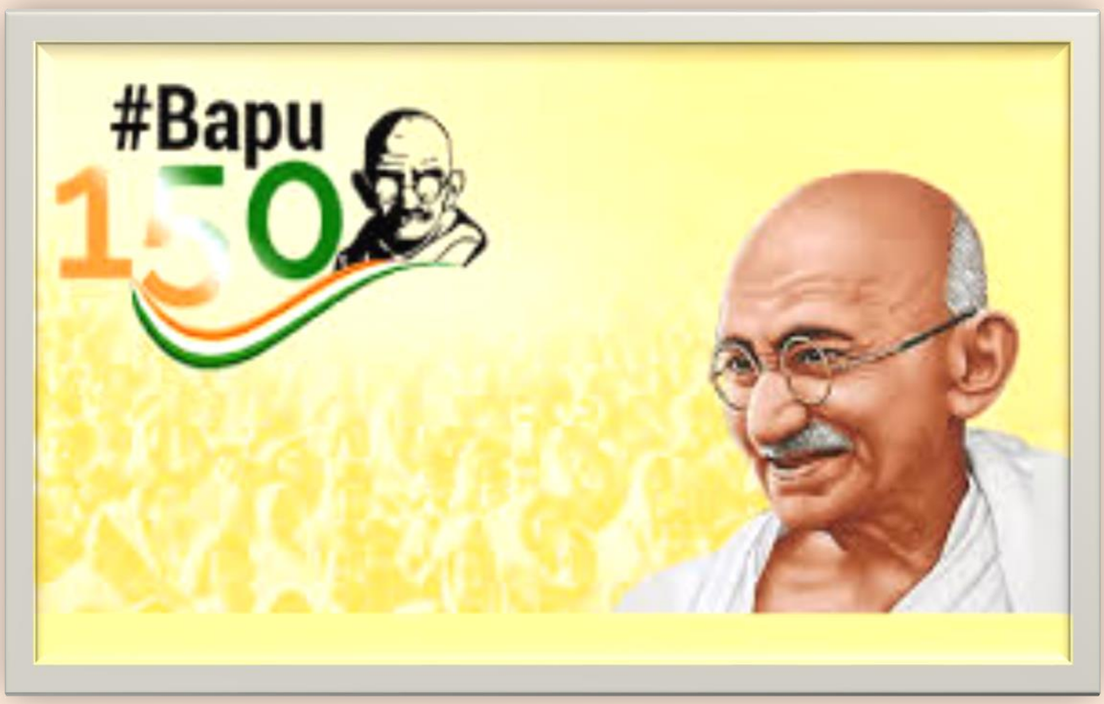

आओ इन स्वतंत्रता सेनानी महापुरुषों के सपनों का भारत बनाएँ

विनोबा भावे

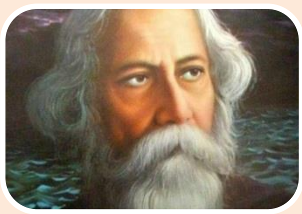
रविन्द्र नाथ

लोकमान्य तिलक

डा. भीमराव आंबेडकर

सर्वोदय

सर्वोदय को

स्थापित करने के

लिए आवश्यकता है

इन्वेस्टर्स की

भारत वर्ष के विश्व प्रसिद्ध प्रतिष्ठित गणमान्य व्यापारी

आईये जानते हैं कि कितने प्रकार से सर्वोदय में इन्वेस्ट किया जा सकता है |

सर्वोदय में इन्वेस्टर के लिए निम्न प्रकार हैं |

सर्वोदय की प्रथम यूनिट

1-मौहल्ला या
गाँव स्तर पर |

2- ज़िला स्तर पर |

3- राज्य स्तर पर |

4- देश स्तर पर |

5- विश्व स्तर पर |

इन्वेस्टर

1- ग्राम स्तर पर

मौहल्ला या गाँव स्तर पर दो प्रकार के इन्वेस्टर होंगे

1- पहला इन्वेस्टर छोटा इन्वेस्टर होगा | ये छोटे इन्वेस्टर जो स्वयं के लिये स्वयं के व्यापार या लघु उधोग में स्वयं ही पैसा लगायेंगे, इस काम को अंजाम भी वे स्वयं ही देंगे |

यह पैसा बहुत अधिक नहीं होगा | ज्यादा से ज्यादा **रु. 2000 से रु.10,000 तक** ही होगा | एकल यूनिट को लगाने में इससे अधिक लगने वाले पैसों की व्यवस्था सर्वोदय द्वारा की जाएगी |

अक्सर गांव में रहने वाले युवा पैसा कमाने के लिए शहर की ओर पलायन करते हैं, जिससे कि उन्हें एक बेहतर रोजगार मिल सकें और उसे वे अपनी आजीविका का साधन बना सकें. वे लोग ऐसा इसलिए करते हैं क्योकि शहर में रोजगार के काफी विकल्प होते हैं, और गांव में नहीं. लेकिन इस बात में पूरी तरह से सच्चाई नहीं है क्योंकि आज के दौर में भी कुछ ऐसे व्यवसाय मौजूद हैं जिन्हें गांव में रहने वाले युवा व महिलाऐं गांव में रहकर ही कम लागत के साथ शुरू कर सकते है | गाँव में पहले से भी बहुत से समूह चल रहे हैं लेकिन देखने में आता है की अक्सर समूह तथा अति सूक्ष्म, सूक्ष्म उधोग शुरू तो बड़े जोश के साथ होते है परन्तु बहुत जल्दी उन्हें बंद भी करने की नोबत आ जाती है | इसमें सबसे बड़ी अड़चन आती है किसी भी उधोग को चलाने के लिए आवश्यक कच्चा माल की उपलब्धता तथा माल बन जाने के बाद उसके बिक्री की समस्या | यदि कोई अकेला व्यक्ति किसी कार्य को कांता है तो उसे तो इस समस्या से बहुत दो-चार होना पड़ता है | सर्वोदय उसका मुक्कमल हल है | आजकल गांव के युवा ये सोच रहे होंगे कि यदि वे गांव में रहकर किसी व्यवसाय को शुरू करते हैं, तो क्या उन्हें इसमें मुनाफा होगा या केवल नुक्सान ही सहना पड़ेगा | तो चलिए उनकी इस शंका को भी दूर कर देते हैं. यहाँ हम कुछ ऐसे व्यवसायों की जानकारी दे रहे हैं जिसे गांव के युवा व महिलाऐं अच्छी कमाई करने के लिए शुरू कर सकते हैं.

1- पत्तल, डोना प्लेट उधोग

2- अचार उधोग

3- मसाला छटाई, बनाई उधोग

4- पापड़ उधोग, मगोडी,खजला,चिक्की उधोग

5- अगरबत्ती,धुप, मोमबत्ती, रुई की बत्ती उधोग

6- कुटीर उधोग

7- खिलौना उधोग

8- पतंग उधोग

9- सिलाई उधोग

और भी ऐसे सैकड़ों छोटे उधोग हैं जैसे- जो सर्वोदय के द्वारा ग्रामीण महिलाओं के नेतृत्व में लगाये जायेंगे |

2- इस स्तर पर इन्वेस्टर 1 लाख रूपये लगा सकते हैं |

ये भी छोटे इन्वेस्टर होंगे जो केवल **1** लाख रु. का इन्वेस्ट ही कर पाएंगे |

इन दोनों इन्वेस्टर का इन्वेस्ट उपरोक्त उधोगों में सर्वोदय के द्वारा लिया जायेगा |

- सर्वोदय इस बात की उम्मीद करता है कि पहले वाले स्वयं के लिए किये गए इन्वेस्ट को अगले 6 महीनों में ही 10 से 14 % सालाना बैंक ब्याज के हिसाब से उसके द्वारा लगाया गया धन वापिस कर दिया जाये और उसके पश्चात् अगले 2 से 3 वर्षों तक उसके द्वारा कमाए गए शुद्ध लाभ का 10% हिस्सा उस मालिक को शुद्ध लाभ के रूप में प्राप्त हो सके |
- एक लाख इन्वेस्ट करने वाले इन्वेस्टर को भी 10 से 14% सालाना बैंक ब्याज के साथ अगले 2 वर्षों में उसका धन वापिस लौटा दिये जाने का प्रयास सर्वोदय करेगी और अगले पांच वर्षों तक उसे शुद्ध लाभ का 5% धन प्राप्त हो सके सर्वोदय ग्राम या मौहल्ला या शहर समिति इस बात का प्रयास करेगी | आरम्भ से 2 वर्ष पश्चात् सर्वोदय उन्हें बड़े उधोग लगाने के लिए प्रेरित करेगी |

इन्वेस्टर

2- ज़िला स्तर पर

ज़िला स्तर पर इन्वेस्ट करने वाले इन्वेस्टर को 1 लाख रु. प्रतिमाह लगातार 6 महीनों तक करने होंगे अर्थात कुल इन्वेस्ट 6 लाख रु. का ही होगा |

ये भी छोटे इन्वेस्टर होंगे |

इन्वेस्टर के द्वारा लगाये गए धन की वापिसी निम्न प्रकार संभव हो सके इस बात का ध्यान सर्वोदय की जिला इकाई को रखना होगा |

ज़िला सर्वोदय समिति के द्वारा अगले 6 महीने के पश्चात् 10 से 14% सालाना ब्याज तथा मूलधन की क़िस्त के द्वारा अगले ढाई वर्षों में इन्वेस्टर का पैसा वापिस हो जाये |

तथा साथ ही उसके अगले 5 वर्षों तक 20% सालाना ब्याज की दर से इन्वेस्टर को शुद्ध लाभ सर्वोदय ज़िला समिति द्वारा प्रदान किया जा सके |

प्रति वर्ष बोनस, अंक तथा गिफ्ट भी मिलेंगे जिनका निर्धारण वार्षिक शुद्ध आय को देखकर सर्वोदय ज़िला समिति द्वारा निर्धारित किया जायेगें |

इन्वेस्टर

3- राज्य स्तर पर

राज्य स्तर पर इन्वेस्ट करने वाले इन्वेस्टर को कमसेकम 10 लाख रु. प्रति माह के हिसाब से लगातार एक वर्ष तक इन्वेस्ट करना होगा अर्थात कुल एक करोड़ बीस लाख रु. इन्वेस्ट करेने होंगे | ये मझले इन्वेस्टर होंगे | यदि इन्वेस्टर चाहे तो वे एक साथ भी इन्वेस्ट कर सकते हैं |

जिला सर्वोदय इकाई तथा राज्य सर्वोदय इकाई को यह ध्यान रखना होगा कि इन्वेस्टर को उसके द्वारा लगाये धन का रिटर्न एक साल के पश्चात् देंना शुरू हो जाए और अगले तीन वर्ष में 10 से 14% सालाना बैंक ब्याज के हिसाब से मूलधन के साथ किश्त बनाकर वापिस कर दिया जाए |

साथ ही उसके अगले 5 वर्षों तक 20% सालाना ब्याज की दर से इन्वेस्टर को शुद्ध लाभ सर्वोदय द्वारा प्रदान किया जा सके |

प्रति वर्ष बोनस, अंक तथा गिफ्ट भी मिलेंगे जिनका निर्धारण वार्षिक शुद्ध आय को देखकर सर्वोदय राज्य समिति द्वारा निर्धारित किया जायेगें |

प्लास्टिक रिसाइकिल बिजनेस

घरेलू कबाड़
प्लास्टिक से
लाखों का
बिज़नेस।

STARTUP
PLASTIC RECYCLING
BUSINESS
PLASTIC

दूध की डेयरी [सर्वोदय मिल्क]

इन्वेस्टर

4- भारत स्तर पर

इन्वेस्टर

5- विश्व स्तर पर

thanks

Kailah pandit

8218185969

Kailashpandit29@gmail.com